

**पादांत** पुं. (तत्.) 1. पैर का सिरा या अग्रभाग (आगे का हिस्सा) 2. श्लोक या पद्य में पद का अंतिम भाग, चरण या शब्द।

**पादांबु** पुं. (तत्.) वह जल जिससे किसी अतिथि के चरण धोए जाएँ।

**पादांभ** पुं. (तत्.) दे. पादांबु।

**पादाक्रांत** वि. (तत्.) पददलित, पैर से कुचला हुआ, दबाया या रौंदा हुआ।

**पादातिक** पुं. (तत्.) 1. पैदल सिपाही 2. पैदल सेना।

**पादात** पुं. (तत्.) पैदल सेना, पैदल सैनिक, पदाति।

**पादानत** वि. (तत्.) पैरों में झुका हुआ, पदावनत।

**पादानुध्यात** वि. (तत्.) 1. छोटे की ओर से बड़े को पत्र लिखने में नम्रता सूचक शब्द जो लिखने वाला अपने लिए प्रयोग करता है 2. पूर्वजों के उल्लेख में भी प्रक्रिया।

**पादानुप्रास** पुं. (तत्.) काव्य में पदगत अनुपास अलंकार (काव्य के पदों अर्थात् छंद के चरणों में निहित अनुप्रास अलंकार)।

**पादानोन** पुं. (देश.) काला नमक।

**पादाभ्यंजन** पुं. (तत्.) पैरों में लगाया या मला जाने वाला घी या तेल।

**पादारक** पुं. (तत्.) 1. नाव की लंबाई में दोनों ओर लकड़ी की पट्टियों से बना ऊँचा-चौरस स्थान जहाँ यात्री बैठते हैं, कुर्सी 2. मस्तूल।

**पादालिंद** पुं. (तत्.) 1. नाव, नौका, तरणी।

**पादावर्त** पुं. (तत्.) कुँएँ आदि से पानी निकालने का यंत्र, अरहट या रहट।

**पादाविक** पुं. (तत्.) पैदल सैनिक।

**पादाष्ठील** पुं. (तत्.) टखना।

**पादासन** पुं. (तत्.) पैर रखने की गद्दी या पट्टा आदि, चरण पीठ, पादपीठ।

**पादाहत** वि. (तत्.) 1. जो पैरों से आहत हुआ हो अर्थात् जिसे पैरों से ठुकराया या मारा हुआ हो 2. पैरों के आघात या प्रहार से प्रताड़ित।

**पादिक** वि. (तत्.) किसी वस्तु का चतुर्थांश या चौथाई भाग।

**पादी** पुं. (तत्.) 1. पैरों वाले, जल और स्थल, दोनों में विचरण कर सकने वाले उभयचर जल जंतु जैसे- मगर, कछुआ, घड़ियाल 2. पशु, जानवर 3. वह जो किसी संपत्ति या जायदाद के चौथे भाग का अधिकारी हो।

**पादीय** वि. (तत्.) पद से संबंधित, कुलीन वर्ग के लोगों को दी जाने वाली उपाधि।

**पादुक** पुं. (तत्.) गमनशील, वह जो पैदल चलता हो।

**पादुका/पादुस्त्री** (तत्.) खड़ाऊँ, जूता, चरण पादुका।

**पादोदक** पुं. (तत्.) 1. वह जल जिससे किसी के पैर धोए या पखारे गए हों 2. चरणामृत 3. पैर धोने का जल।

**पादोदर** पुं. (तत्.) साँप, सर्प, नाग।

**पाद्य** पुं. (तत्.) 1. वह जल जिससे किसी देवता अथवा पूजनीय व्यक्ति के पैर धोए जाएँ 2. पैर धोने का पानी 3. पैरों से संबंधित, पैर संबंधी, चरण-संबंधी 4. स्वागत में प्रयुक्त जल आदि पदार्थ।

**पाद्यार्घ** पुं. (तत्.) 1. पैर या हाथ धोने, धुलाने का जल 2. पूजा सामग्री 3. स्वागत की सामग्री (सामान)।

**पाधा** पुं. (तद्.) 1. आचार्य, उपाध्याय 2. पंडित।

**पान** पुं. (तत्.) 1. पानी या किसी द्रव (तरल) पदार्थ को पीने की क्रिया जैसे- जलपान, मद्यपान, विषपान आदि पेय पदार्थों का पान 2. मद्यपान, शराब पीना 3. चमक, आब, पानी, वह चमक जो शस्त्रों को गरम करके द्रव पदार्थ में बुझाने से आती है, सान चढ़ाना 4. रक्षा, रक्षण, रक्षा करने की क्रिया 5. पीना, चूसना, चूमना, चुंबन यथा अधरपान पुं. (तद्.) 1. पत्ता, पर्ण 2. एक प्रसिद्ध लता जिसके पत्तों का बीड़ा चूना, कत्था, सुपाड़ी के साथ मुखशुद्धि के लिए चबाकर खाया जाता है, तांबूलवल्ली, नागवल्ली, (कोमल होने के कारण इसकी खेती में बहुत परिश्रम करना पड़ता है, पानों की अनेक जातियाँ हैं जैसे- मगही, कपूरी, बंगला, महोबा आदि मुहा. पान-उठाना- काम के लिए प्रतिज्ञाबद्ध